



# Aman Shri vastava

16 Feb 1994

04:10 PM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 121883302

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 16/02/1994  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 16:10:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 23:12:52 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Gwalior  
राज्य \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 26:12:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 78:09:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:17:24 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 15:52:36 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:14:09 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 01:37:22 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:52:51 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:10:28 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:17:38 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 03:45:10 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 08:25:51 कर्क

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कर्क - चन्द्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: अश्विनी - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: शुक्ल  
करण \_\_\_\_\_: कौलव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: अश्व  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: चो-चोलुक्य  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

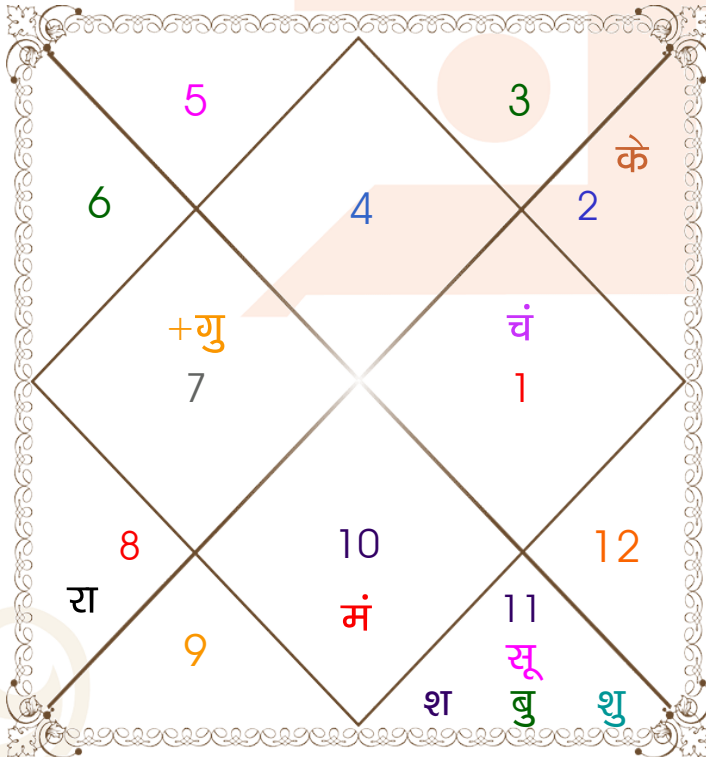
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:25:51	310:45:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	03:45:10	01:00:35	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	08:50:39	11:47:15	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल	अ		मक	21:16:50	00:47:04	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	11:34:55	00:49:30	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			तुला	20:38:51	00:02:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	11:03:10	01:15:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	अ		कुंभ	08:25:22	00:07:17	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	04:27:30	00:02:45	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	04:27:30	00:02:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	00:27:52	00:03:07	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:22:26	00:01:56	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:14:38	00:00:28	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मेष	02:28:19	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

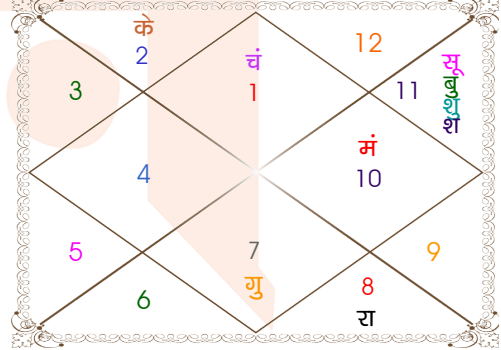
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:46

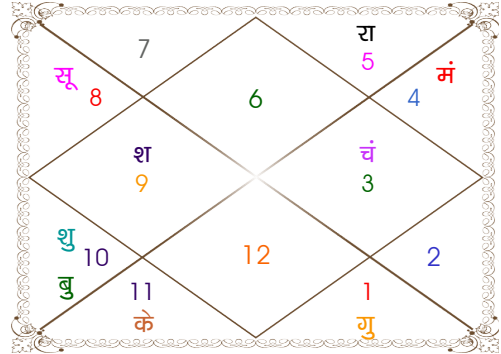
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 4 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
16/02/1994	26/06/1996	26/06/2016	27/06/2022	26/06/2032
26/06/1996	26/06/2016	27/06/2022	26/06/2032	27/06/2039
00/00/0000	शुक्र 27/10/1999	सूर्य 14/10/2016	चंद्र 27/04/2023	मंगल 22/11/2032
00/00/0000	सूर्य 26/10/2000	चंद्र 14/04/2017	मंगल 26/11/2023	राहु 11/12/2033
00/00/0000	चंद्र 27/06/2002	मंगल 20/08/2017	राहु 27/05/2025	गुरु 17/11/2034
00/00/0000	मंगल 27/08/2003	राहु 15/07/2018	गुरु 26/09/2026	शनि 26/12/2035
00/00/0000	राहु 26/08/2006	गुरु 03/05/2019	शनि 26/04/2028	बुध 23/12/2036
16/02/1994	गुरु 26/04/2009	शनि 14/04/2020	बुध 26/09/2029	केतु 21/05/2037
गुरु 21/05/1994	शनि 26/06/2012	बुध 18/02/2021	केतु 27/04/2030	शुक्र 21/07/2038
शनि 30/06/1995	बुध 27/04/2015	केतु 26/06/2021	शुक्र 26/12/2031	सूर्य 26/11/2038
बुध 26/06/1996	केतु 26/06/2016	शुक्र 27/06/2022	सूर्य 26/06/2032	चंद्र 27/06/2039

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
27/06/2039	26/06/2057	26/06/2073	26/06/2092	27/06/2109
26/06/2057	26/06/2073	26/06/2092	27/06/2109	00/00/0000
राहु 09/03/2042	गुरु 14/08/2059	शनि 29/06/2076	बुध 23/11/2094	केतु 23/11/2109
गुरु 02/08/2044	शनि 25/02/2062	बुध 09/03/2079	केतु 20/11/2095	शुक्र 24/01/2111
शनि 09/06/2047	बुध 02/06/2064	केतु 17/04/2080	शुक्र 20/09/2098	सूर्य 31/05/2111
बुध 26/12/2049	केतु 09/05/2065	शुक्र 18/06/2083	सूर्य 27/07/2099	चंद्र 30/12/2111
केतु 13/01/2051	शुक्र 08/01/2068	सूर्य 30/05/2084	चंद्र 27/12/2100	मंगल 28/05/2112
शुक्र 13/01/2054	सूर्य 26/10/2068	चंद्र 29/12/2085	मंगल 24/12/2101	राहु 15/06/2113
सूर्य 08/12/2054	चंद्र 25/02/2070	मंगल 07/02/2087	राहु 12/07/2104	गुरु 17/02/2114
चंद्र 08/06/2056	मंगल 01/02/2071	राहु 14/12/2089	गुरु 18/10/2106	00/00/0000
मंगल 26/06/2057	राहु 26/06/2073	गुरु 26/06/2092	शनि 27/06/2109	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेंगे। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ट धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरुद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामान्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृत्ति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।